Lecture - 142

1857 के विद्रोह में बिहार की भूमिका

– Mamta Rani
Guest Assistant Prof.
Deptt. of History.
SNSRKS College,
Saharsa.
BA part - IIIrd.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

(8) 1857 के विद्रोह में बिहार की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर :- रोहिणी - 12 June 1857 → नार्मन लेस्ली
पटना - 3 July 1857 → पीर अली - लायल
मुजफ्फरपुर - 25 July 1857 - लोय विद्रोह
↓
दानापुर
↓
उजालव (जगदीशपुर) → विंसेंट आयर
→ डब्लु टेलर

1857 का विद्रोह किजरायली के अनुसार एक राष्ट्रीय विद्रोह था। B.D. सावरकर के अनुसार प्रथम स्वतंत्रता संग्राम था। इस विद्रोह का स्वरूप जो भी रहा हो इसने भारत के अधिकांश क्षेत्र को प्रभावित किया जिसमे बिहार भी शामिल है। प्राचीन काल से ही भारतीय इतिहास मे बिहार ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया है इसी परिपेक्ष मे 1857 के विद्रोह को भी शामिल किया जाता है।

राजनीतिक, समाजिक, धार्मिक, आर्थिक कारण के साथ-साथ चर्बी वाले कारतूस जैसे तत्कालिक कारण ने इस विद्रोह को जन्म दिया। इसका प्रभाव बिहार पर सबसे अधिक दिखलाई पड़ता है। बिहार मे 12 June 1857 को रोहिणी (वर्तमान के देवघर जिला झारखण्ड) से शुरू हुआ था। सैन्य अधिकारी नार्मन लेस्ली की हत्या करके सैनिको ने विद्रोह कर दिया और चर्बीवाला कारतूस लेने से इंकार कर दिया। कम ही समय मे यह विद्रोह पुरा बिहार मे फैल गया अंग्रेजी सरकार ने अभी रोहिणी मे हुए विद्रोह को दबाया ही था कि 3 July 1857 को पटना मे इसकी शुरूआत हो गई। पटना सीटी के गुरहट्टा निवासी पीर अली के नेतृत्व मे पटना मे विद्रोह किया गया और अफिम एजेंट आर० लायल की हत्या कर दी गई। सीमित संसाधन के कारण सरकार ने यहाँ भी विद्रोह को दबा दिया गया एवं पीर अली को सरेआम फांसी दे दी गई। पटना मे विद्रोह के बाद 25 July 1857 को

मुज्जफर पुर मे यह विद्रोह शुरू हो गया। आम लोगो की भागीदारी के साथ सैनिक और कैदियो ने भी सहयोग प्रदान किया। मुज्जफर जेल के कैदियो ने लोटा विद्रोह के माध्यम से 1857 के विद्रोह मे साथ देकर एक नई शुरुआत की शुरूआत कर दिया। सरकार ने इन कैदियो के द्वारा किए गए विद्रोह को कुचल दिया गया।

25 July 1857 को ही दानापुर के सैनिको ने विद्रोह किया और आरा के जगदीशपुर पहूँचकर बाबु कुँअर सिंह को अपना नेता चुन लिया। जगदीशपुर के शासक बाबु कुँअर सिंह 1857 के विद्रोह के सर्वप्रमुख नेता थे। इन्होने बिहिया और बिंदीगंज के युद्ध मे अंग्रेजी सेना को पराजित कर दिया लेकिन विलियम (W) टेलर और विसेंट आयर ने बाबु कुँअर सिंह को पराजित कर जगदीशपुर छोड़ने के लिए विवश कर दिया। बाबु कुँअर सिंह ने जगदीशपुर छोड़ दिया लेकिन आजमगढ़ होते हुए नाना साहेब के साथ मिलकर अंग्रेजी सेना का मुकाबला किया। वापसी के क्रम मे डगलस के साथ युद्ध मे यह घायल हो गए। मृत्यु के पूर्व जगदीशपुर के साथ-साथ सम्पूर्ण आरा के क्षेत्र को पुनः जीत लिया गया यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस प्रकार 1857 का विद्रोह भले ही विफल रहा लेकिन इसने हिन्दु-मुस्लिम के बीच एकता को स्थापित किया और राष्ट्रीय आन्दोलन का मार्ग तैयार कर दिया।

*** *** ***